

16 OCT 1979



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 246]

नई विल्ली, मंगलवार, अगस्त 7, 1979/शावण 16, 1901

No. 246]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 7, 1979/SRAVANA 16, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली है जिससे इक भाग असम संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

प्रधिसूचनाएँ

नई विल्ली, 7 अगस्त, 1979

सीमा-शुल्क

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 7th August, 1979

CUSTOMS

सांकेति० 466(अ)---केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की घारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त वित्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान है जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना प्रावधार्य है, भवावित चलचित्र किलों को जब उनका प्रायात भारत में किया जाये, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुमूली के अधीन उन पर उद्घाटनीय सम्पूर्ण सीमा शुल्क से और पर्यात् कथित अधिनियम की घारा 3 के अधीन उस पर उद्घाटनीय सम्पूर्ण भत्तिरिक्त शुल्क से इस शर्त के अधीन रहते हुए, कूट देती है, कि निकामी के समय सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर को रक्षा मंत्रालय से इस प्रावधार्य का एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जायेगा कि इस प्रकार प्रावधार्य उक्त फ़िल्म अनन्य रूप से रक्षा कार्मिकों के प्रशिक्षण के लिये है और प्रधानतः शैक्षिक प्रकृति की है।

[सं. 173/का०सं. 466/26/79-सीमा-शुल्क 5]

[No. 173-Customs/F. No. 466/26/79-CUS. V]

सीमा-शुल्क

सांकेति० 467(अ)---केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 31 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त ग्रंथियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 104 सीमा-शुल्क, तारीख 10 मई 1979 में निम्नलिखित और मंशोधन करती है, अबतः—

उक्त अधिसूचना से उपादान अनुसूची में कम संख्या 226 और उससे संबंधित प्रतिटि के पश्चात् निम्नलिखित अनुदापित किया जायेगा, अबतः—

"227 मं० 173 सीमा-शुल्क, नारीख 7-8-1979"

[सं० 173/फा० मं० 166/26/79-सी०श० 5]

CUSTOMS

G.S.R. 467(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 31 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance Department of Revenue No. 104-Customs, dated the 10th May, 1979 namely :—

In the Schedule annexed to the said notification after Serial No. 226 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

"227 No. 173-Customs, dated the 7-8-1979"

[Notification No. 174/F. No. 466/26/79-CUS. V]

सीमा-शुल्क

सांकेति० 467(अ)---केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त ग्रंथियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, ऐसे वायुयान इंजनों, उपमाधारों और घटकों (जिन्हें इनके पश्चात् वस्तु कहा गया है) को, जिनकी मरम्मत या जिन्हें शोवरहाल करना आवश्यक है तथा जब उन्हें भारत में आयात किया जाये तो, सीमा-शुल्क टैकिंग अधिनियम, 1975 (1975 का 31) की प्रथम अनुसूची के अधीन उन पर उद्याहणीय सीमा-शुल्क और उक्त पश्चात् कठित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्याहणीय अतिरिक्त शुल्क से छूट दी जाएगी।

परन्तु यह नब जब कि—

- (क) वस्तुओं की निकासी के समय सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर के समक्ष, रक्षा मंत्रालय, रक्षा उत्पादन विभाग या महानिदेशक सिविल विमानन का यह प्रमाणपत्र प्रस्तुत किया जाये कि वस्तुओं की मरम्मत या शोवरहालिंग प्रयोगित है,
- (ख) प्रायातकर्ता निम्नलिखित वचनबन्ध करते हुए एक बन्धपत्र निष्पादित करें :—

- (1) कि प्रायात की नारीख से उह मास के भीतर या ऐसी वर्धित अवधि के भीतर जैसी महायक सीमा-शुल्क कलक्टर प्रत्येक मामले में भनुजात करे, मरम्मत या शोवरहाल करने के पश्चात् वस्तुओं या समान वस्तुओं को पुनः निर्यात कर देंगा या सहायक सीमा-शुल्क कलक्टर के समक्ष उक्ते समाधानप्रद रूप में ऐसा साथ्य प्रस्तुत करेंगा कि

जिस वस्तु की बाबत छूट का दावा किया गया है उग्रक निर्यात से पूर्व उह मास के भीतर एक समान वस्तुओं का पहले ही निर्यात किया जा चुका है;

(2) पुनः निर्यात या निर्यात से पूर्व वस्तुएँ या नमान वस्तुएँ वहनात के लिये प्रस्तुत करेंगा,

(3) इस धंडे के उपर्युक्त (1) के अनुपालन में अग्रफल होने की दृष्टि में शुल्क का संदाय करेंगा; और

(ग) वस्तुओं या समान वस्तुओं के पुनः निर्यात पर शुल्क की वापसी का न दावा किया गया है त न किया जायेगा।

2. यह अधिसूचना 30 जून, 1980, तिरंगे यह नारीख भी सम्मिलित है, तक प्रवृत्त रहेगी।

[सं० 175/फा० सं० 458/77/73-सी०श० V]

CUSTOMS

G.S.R. 468(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts such aircraft engines, accessories and components (hereinafter referred to as articles) as are in need of repairs or overhauling, when imported into India, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act :

Provided that—

(a) a certificate from the Ministry of Defence, Department of Defence Production, or the Director General of Civil Aviation to the effect that the articles require repairing or overhauling, is furnished to the Assistant Collector of Customs at the time of clearance of the articles ;

(b) the importer executes a bond undertaking—

(i) to re-export the articles or like articles after repairs or overhauling, within six months from the date of importation or such extended period as the Assistant Collector of Customs may allow in each case or to produce evidence to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that a like article has already been exported within 6 months prior to the import of the article in respect of which the exemption is claimed ;

(ii) to produce the articles or like articles for identification before re-export or export ;

(iii) to pay the duty on failure to comply with the sub-clause (i) of this clause ; and

(e) no drawback of duty has been or shall be claimed on the re-export of the articles or the like articles.

2. This notification shall remain in force upto and inclusive of the 30th day of June, 1980.

[No. 175-Customs/F. No. 458/77/73-CUS. V]

सीमा-शुल्क

सांकेति० 469(अ)---केन्द्रीय सरकार, वित्त अधिनियम, 1979 (1979 का 21) की धारा 31 की उपधारा (4) के साथ पठित सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की

उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान ही जाने पर कि संकेत में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग की अधिसूचना सं० 104, तारीख 10 मई, 1979 में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में उपावन्ध प्रत्यूती में, क्रम सं० 227 और उसमें संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जायेगा,
अर्थात् :—

"228 सं० 125 मीमा-शुल्क, तारीख 7-8-1979"

[सं० 176/फा०सं० 458/77/73-सं०श०-5]

एस० बसु, प्रबंध सचिव

CUSTOMS

G.S.R. 469(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 31 of the Finance Act, 1979 (21 of 1979), the Central Government being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance, Department of Revenue No. 104-Customs, dated the 10th May, 1979 namely :—

In the Schedule annexed to the said notification after Serial No. 227 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely :—

"228 No. 175-Customs, dated the 7-8-1979"

[No. 176-Customs/F. No. 458/77/73-CUS. V]

S. BASU, Under Secy.

